GS SPECIAL NOTES

RELIGIOUS MOVEMENT OF MEDIEVAL AGE

NOTES FOR ALL EXAMS...

BY. DEEPAK SIR

The Bhakti Movement

The word 'Bhakti' is derived from **'Bhakta'** meaning to serve, honour, revere, love and adore. The **word occurs** for the first time in the **Upanishads** where it appears with the co-doctrines of grace and selfsurrender. Bhakti movement spawned into several different movements all across **North and South India**. In North, though the emphasis was on **Vaishnavism**, but instead of being focussed on **Vishnu**, it chose to focus itself on **Vishnu's human** incarnations - **Rama and Krishna**, the respective avatars central to the **two epics Ramayana and Mahabharata. Sita with Rama and Rukmini or Radha with Krishna**. Images of these deities and their consorts installed in temples were **worshipped**. The path of Bhakti was not directly accessible to the lower cates; for them the path of prapati (unquestioned self-surrender) was prescribed. Singing of Bhajans and dancing formed an important part of this worship. **The dancers were deva-dasis** (female slaves of the deity) inside the temple, but nagarvadhus (public wives) outside. **Worship tended to be intensely**

भक्ति आंदोलन

'भक्ति' शब्द की उत्पत्ति 'भक्त' से हुई है जिसका अर्थ है सेवा करना, सम्मान करना, श्रद्धा करना, प्रेम करना और पूजा करना। यह शब्द उपनिषदों में पहली बार आता है जहां यह अनुग्रह और आत्म समर्पण के सह-सिद्धांतों के साथ प्रकट होता है। भक्ति आंदोलन पूरे उत्तर और दक्षिण भारत में कई अलग-अलग आंदोलनों में उभरा। उत्तर में, हालांकि वैष्णववाद पर जोर दिया गया था, लेकिन विष्णु पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, उसने खुद को विष्णु के मानव अवतारों - राम और कृष्ण, दो महाकाव्य रामायण और महाभारत के संबंधित अवतारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चुना। राम के साथ सीता और रुक्मिणी या कृष्ण के साथ राधा। मंदिरों में स्थापित इन देवताओं और उनकी पत्नियों की छवियों की पूजा की जाती थी। भक्ति का मार्ग निचली जातियों के लिए सीधे सुलभ नही था; उनके लिए प्रपति (निर्विवाद आत्म-समर्पण) का मार्ग निर्धारित किया गया था। भजन गाना और नृत्य करना इस पूजा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। नर्तकियां मंदिर के अंदर देव-दासी (देवता की दासी) थी, लेकिन बाहर नागरवधू (सार्वजनिक पत्नियां) थी। पूजा बेहद भावुक हो गई।

DEEPAK SHARMA SIR

emotional.

BHAKTI SAINTS

Ramanuja

In 11th century, Ramanuja tried to assimilate Bhakti to the tradition of Vedas. He argued that grace of God was more important than knowledge about him in order to **attain salvation**. The tradition established by Ramanuja was followed by number of thinkers such as **Madhavacharya, Ramananda, Vallabhacharya and others.,**

Jnandeve (1275-96 AD)

He was progenitor of Bhakti movement in Maharashtra.

Namdeva (1270-1350 AD)

He was a **Nirguna Upasaka**. Some of his abhangas are included in **Guru Granth** Sahib.

Ekanath (1548 AD)

He was opposed to caste distinction and evinced greatest sympathy for men of low caste.

Tukaram

He was a farmer's son and a great devotee of vitthal.

Ramadasa (1608)

He established ashramas all over India. It was from him that **Shivaji received the**

भक्ति संत

रामानुज

11वीं सदी में रामानुज ने भक्ति को वेदों की परंपरा से मिलाने का प्रयास किया। उन्होंने तर्क दिया कि मोक्ष प्राप्त करने के लिए भगवान की कृपा उनके बारे में ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण थी। रामानुज द्वारा स्थापित परंपरा का पालन माधवाचार्य, रामानंद, वल्लभाचार्य और अन्य जैसे कई विचारकों ने किया।

ज्ञानदेव (1275-96 ई.)

वे महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन के जनक थे।

नामदेव (1270-1350 ई.)

वह एक निर्गुण उपासक थे। उनके कुछ अभंग गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल हैं।

एकनाथ (1548 ई.)

वह जाति भेद के विरोधी थे और निम्न जाति के पुरुषों के लिए सबसे बड़ी सहानुभूति प्रदर्शित करते थे।

तुकाराम

वह एक किसान के बेटे और विठ्ठल के बहुत बड़े भक्त थे।

रामदास (1608)

उन्होंने पूरे भारत में आश्रमों की स्थापना की। उन्ही से शिवाजी को मुस्लिम सत्ता को उखाड़

DEEPAK SHARMA SIR

inspiration to overthrow Muslim authority and found the kingdom.

Gurunanak (1469-1539 AD)

He was a mystique of **Nirguna** School but his followers branched off from **Hinduism** and founded a separate religious system. He became a wandering preacher of a casteless, universal, ethical, anti-ritualistic and **monotheistic** and highly spiritual religion.

Surdasa (1483-1513)

He belongs to **Saguna School**. He was a disciple of famous religious teacher **Vallabhacharya**. He sang the glory of **Krishna's childhood and youth in his Sursagar**.

Tulsi Das (1532-1623 AD)

He belongs to **Saguna School** of Hindu Mystics. He composed the famous **Ramacharitamanas**.

• Another popular movement, which arose around the 12th century, was Lingayat or **Vir Shaiva movement.** Its founder was Basava and his newphew **Channabasava** who lived at the courts of Kalchuri kings of Karnataka.

ADI SANKARACHARYA

The period after Guptas is marked by revival and expansion of **Hinduism and**

फेंकने की प्रेरणा मिली और उन्होंने राज्य की स्थापना की।

गुरुनानक (1469-1539 ई.)

वह निर्गुण स्कूल के एक रहस्यवादी थे लेकिन उनके अनुयायियों ने हिंदू धर्म से अलग होकर एक अलग धार्मिक व्यवस्था की स्थापना की। वह एक जातिविहीन, सार्वभौमिक, नैतिक, कर्मकांड विरोधी और एकेश्वरवादी और अत्यधिक आध्यात्मिक धर्म का घुमंतू उपदेशक बन गया।

सूरदास (1483-1513)

वह सगुना स्कूल के हैं। वे प्रसिद्ध धर्मगुरु वल्लभाचार्य के शिष्य थे। उन्होंने अपने सूरसागर में कृष्ण के बचपन और युवावस्था की महिमा गाई।

तुलसी दास (1532-1623 ई.)

वह हिंदू रहस्यवादियों के सगुण स्कूल से संबंधित हैं। उन्होंने प्रसिद्ध रामचरितमानस की रचना की।

· एक अन्य लोकप्रिय आंदोलन, जो 12वी शताब्दी के आसपास उभरा, लिंगायत या वीर शैव आंदोलन था। इसके संस्थापक बसव और उनके नवजात चन्नबासव थे जो कर्नाटक के कलचुरी राजाओं के दरबार में रहते थे।

आदि शंकराचार्य

गुप्त काल के बाद की अवधि हिंदू धर्म के

DEEPAK SHARMA SIR

continued decline of **Jainism and Buddhism.** He is called **Aquinas of Hinduism**, since he reduced the apparently selfcontradictory passages of the **Upanishads** into one consistent system. He propounded the **doctine of Advaita (non - dualism).** According to this philosophy, there are **various levels of truth**. On a lower level, the world is a **creation of Brahma**. But, on the highest level, the whole universe is Maya (illusion). The only ultimate reality was Brahama, the impersonal world soul. According **to Sankara, God and the created world were one**. He wrote excellent **commentaries on Bhagwadgita and Upanishads**. After his death **4 mathas were established** in **Sringeri** (Karnataka), **Dwaraka** (Gujarat), **Puri** (Orissa) and **Badrinath in the Himalayas**.

HINDU RELIGOUS IDEAS

Vishishtadvaita of Ramanujacharya

It means qualified **monoism**. The ultimate reality according to it is **Brahma** (God) who is imminent in matter and individual souls and controls them from within.

Sivadvaita of Srikanthacharya

He propounded the view that Shiva

पुनरुद्धार और विस्तार और जैन धर्म और बौद्ध धर्म के निरंतर पतन से चिह्नित है। उन्हें हिंदू धर्म का एक्विनास कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने उपनिषदों के स्पष्ट रूप से आत्म-विरोधाभासी मार्ग को एक सुसंगत प्रणाली में बदल दिया। उन्होंने अद्वैत (गैर-द्वैतवाद) के सिद्धांत को प्रतिपादित किया। इस दर्शन के अनुसार सत्य के विभिन्न स्तर हैं। निचले स्तर पर, संसार ब्रह्मा की रचना है। लेकिन, उच्चतम स्तर पर, संपूर्ण ब्रह्मांड माया (भ्रम) है। एकमात्र अंतिम वास्तविकता ब्रह्मा, अवैयक्तिक विश्व आत्मा थी। शंकर के अनुसार, ईश्वर और निर्मित संसार एक थे। उन्होंने भगवद्गीता और उपनिषदों पर उत्कृष्ट भाष्य लिखे। उनकी मृत्यु के बाद हिमालय में श्रृंगेरी (कर्नाटक), द्वारका (गुजरात), पुरी (उड़ीसा) और बद्रीनाथ में 4 मठ स्थापित किए गए।

हिंदू धार्मिक विचार

रामानुजाचार्य का विशिष्टाद्वैत

इसका अर्थ है योग्य अद्वैतवाद। इसके अनुसार परम वास्तविकता ब्रह्म (ईश्वर) है जो पदार्थ और व्यक्तिगत आत्माओं में सन्निहित है और उन्हें भीतर से नियंत्रित करता है।

श्रीकंठाचार्य का शिवद्वैत

उन्होंने इस विचार को प्रतिपादित किया कि

DEEPAK SHARMA SIR

endowed with Shakti is ultimate Brahma who pervades the universe and exists beyond it.

Dvaita of Madhavacharya

According to this dualism the world in not an illusion but reality full of real distinctions. **God, matter** and **soul** are all unique in their nature and are irreducible to each other.

Dvaitadvaita of Nimbark acharya

Accoridng to this **dualistic monoism** Brahma really transformed himself into the world and souls, which are real and distinct and **different from God, but cannot exist without its support.**

Suddhadvaita of Vallabhacharya

Vallabha's philosophy is known as **Pushtimarga** (the path of grace) and his school by the name of **Rudrasampradaya**. **Brahma is identified with Sri Krishna. Salvation is through Sneha** (deep-rooted and all surpassing love for God).

Achintyabhedavada of Chaitanya

God according to Chaitanaya is Krishna. **He is infinite life and bliss**. He is full of infinite power and consciousness. **Radha is the power of Krishna**, there is no difference between him and Radha. Although infinite he incarnates in from of

शक्ति से संपन्न शिव परम ब्रह्म हैं जो ब्रह्मांड में व्याप्त हैं और इससे परे मौजूद हैं।

माधवाचार्य का द्वैत

इस द्वैतवाद के अनुसार संसार एक भ्रम नही बल्कि वास्तविक भेदों से भरी वास्तविकता है। ईश्वर, पदार्थ और आत्मा सभी अपनी प्रकृति में अद्वितीय हैं और एक दूसरे के लिए अप्रासंगिक हैं।

निम्बार्क आचार्य का द्वैतद्वैत

इस द्वैतवादी एकत्ववाद के अनुसार ब्रह्मा ने वास्तव में स्वयं को संसार और आत्माओं में रूपांतरित कर लिया, जो वास्तविक और विशिष्ट हैं और ईश्वर से भिन्न हैं, लेकिन इसके समर्थन के बिना अस्तित्व में नही रह सकते।

वल्लभाचार्य का शुद्धाद्वैत

वल्लभ के दर्शन को पुष्टिमार्ग (अनुग्रह का मार्ग) और उनके स्कूल को रुद्रसंप्रदाय के नाम से जाना जाता है। ब्रह्मा की पहचान श्रीकृष्ण से की जाती है। मुक्ति स्नेहा (ईश्वर के लिए गहरी जड़ें और सभी श्रेष्ठ प्रेम) के माध्यम से है।

चैतन्य का अचिन्त्यभेदवाद

चैतन्य के अनुसार भगवान कृष्ण हैं। वह अनंत जीवन और आनंद है। वह अनंत शक्ति और चेतना से परिपूर्ण है। राधा कृष्ण की शक्ति हैं, उनमें और राधा में कोई अंतर नही है। यद्यपि अनंत वह परिमित नश्वर से अवतरित होता है

DEEPAK SHARMA SIR

finite mortals and is subject to love. **Bhakti or devotion is only means of liberation.** Chaitanya spread the message that **Raag Marg or path of spontaneous** love was the best for **salvation.**

SUFISM

• Those saints among the Muslims who advocated a life of **purits and renunciation were called Sufis**. Another view is that the word Sufi came out of the word Sooph meaning wool.

• One of the earliest Sufis was a woman saint Rabia of Basra who laid great emphasis on love as bond between god and individual soul.

• The Sufis were organized in **12 order or Silsilas**. The silsilas were generally led by a prominet mystic who lived in **Khanqah** along with his disciples.

• The Sufi orders are **widely divided into two:- Ba-Sahara** that is those who followed **the Islamic law and Be-sahara, that is those** , who were not movement only two acquired significant influnce. **These were the Chisti and Suharwardi Silsilas.**

Chisti Silsila

The Chisti order was founded by **Khawaja Abdal Chisti in Herat** and it was brought

और प्रेम के अधीन होता है। भक्ति या भक्ति ही मुक्ति का साधन है। चैतन्य ने यह संदेश फैलाया कि मुक्ति के लिए राग मार्ग या सहज प्रेम का मार्ग सर्वश्रेष्ठ है।

सूफीवाद

· मुसलमानों में वे संत जो पवित्रता और त्याग के जीवन की वकालत करते थे, सूफी कहलाते थे। एक अन्य विचार यह है कि सूफी शब्द सूफ शब्द से बना है जिसका अर्थ ऊन होता है।

· सबसे शुरुआती सूफियों में से एक बसरा की एक महिला संत राबिया थी, जिन्होंने ईश्वर और व्यक्ति की आत्मा के बीच प्रेम को बंधन के रूप में बहुत महत्व दिया।

· सूफियों को 12 क्रम या सिलसिला में संगठित किया गया था। सिलसिला आम तौर पर एक प्रमुख फकीर के नेतृत्व में होता था जो अपने शिष्यों के साथ खानकाह में रहता था।

· सूफी सम्प्रदायों को व्यापक रूप से दो भागों में विभाजित किया गया है:- बा-सहारा यानी वे जो इस्लामी कानून का पालन करते हैं और बे-सहारा, जो आंदोलन नहीं थे, केवल दो ने महत्वपूर्ण प्रभाव हासिल किया। ये चिश्ती और सुहरवर्दी सिलसिला थे।

चिश्ती सिलसिला

चिश्ती आदेश की स्थापना हेरात में ख्वाजा अब्दल चिश्ती द्वारा की गई थी और इसे ख्वाजा

DEEPAK SAHRMA SIR

to India by **Khwaja Moinud-din Chisti** (1141-1236). He arrived **at Lahore** in 1161 AD and settled at **Ajmer** about 1206 AD. However, the most famous of Chists saints were **Nizamuddin Auliya and Nasiruddin Chirag-i-Delhi.** Auliya was generally known as **Muhbuh-i-Ilahi** (beloved of God). They made themselves popular by **adopting musical recitation called Sama** to create mood of nearness to god.

Suhrawardi Silsila

It was founded by **Shaikh Shihabuddin Suhrawardi**. The credit or organising it goes to **Shaik Bahauddin Zakariya**. Its main centre was Multan. Saints of this order had **big Jagirs had close contact with state.**

Firdausi Silsila

Shaik Badruddin of Samarth first established it in Delhi, but later on it moved to Bihar and became the most influential mystic order. Its most distinguised saint was Shaikh Shamasuddin Yahya Munair who believed in Pantheistic monoism.

Shattari Silsila

It was founded in India by **Shah Abdullah Shattan.** However it gained in popularity

मोइनुद्दीन चिश्ती (1141-1236) द्वारा भारत लाया गया था। वह 1161 ईस्वी में लाहौर पहुंचे और लगभग 1206 ईस्वी में अजमेर में बस गए। हालाँकि, चिश्ती संतों में सबसे प्रसिद्ध निज़ामुद्दीन औलिया और नसीरुद्दीन चिराग-ए-दिल्ली थे। औलिया को आम तौर पर मुह्बुह-ए-इलाही (ईश्वर का प्रिय) कहा जाता था। उन्होंने भगवान से निकटता का भाव पैदा करने के लिए समा नामक संगीत पाठ को अपनाकर खुद को लोकप्रिय बनाया।

सुहरावर्दी सिलसिला

इसकी स्थापना शेख शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी ने की थी। इसका श्रेय या आयोजन शेख बहाउद्दीन जकारिया को जाता है। इसका प्रमुख केन्द्र मुल्तान था। इस वर्ग के संतों की बड़ी जागीरों का राज्य से निकट संपर्क था।

फिरदौसी सिलसिला

समर्थ के शेख बदरुद्दीन ने पहले इसे दिल्ली में स्थापित किया, लेकिन बाद में यह बिहार चला गया और सबसे प्रभावशाली रहस्यवादी आदेश बन गया। इसके सबसे प्रतिष्ठित संत शेख शमसुद्दीन याहया मुनैर थे जो सर्वेश्वरवाद में विश्वास करते थे।

शतारी सिलसिला

इसकी स्थापना भारत में शाह अब्दुल्लाह सत्तान ने की थी। हालाँकि इसे ग्वालियर के शेख

DEEPAK SHARMA SIR

under **Shaik Muhammad Ghauth of Gwalior**. Among his disciple were the famous **musician Tansen.** The Shattari saints sought tot synthesize Hindu and mystical Muslim thoughts to practice.

Qadiri Silsila

Shah Niamatullah Qadri was probably the first notable saint of this order to enter India but it was Syed Muhammad Jilani who organized it on affective basis. **Dara Shikoh, the eldest son of Shah Jahan was follower of this order.**

Naqshbandi Silsila

This Silsila was introduced in India by **Khwaja Baqi Billah** during the later years of **Akbar's reign**. It attained a position of great importance in India under the leadership of **Shaikh Ahmad Sirhinid.** He was opposed to pantheistic philosophy **wahadat-ul-wujud** and propounded the theory of **wahadat-ul-shudud.**

SHER SHAH SURI (1540-1545)

He was born to Hasan, the Jagirdar of Kwaspur, **Sasaram** and **Hajipur Tanda** as Farid. Ibrahim Lodi transferred his father's Jagir to him. In 1527-28, he joined Babur's service and then returned to Bihar as deputy governor and guardian of the minor king Jalal Khan Lohani. He

मुहम्मद गौथ के अधीन लोकप्रियता मिली। उनके शिष्यों में प्रसिद्ध संगीतकार तानसेन थे। शतारी संतों ने अभ्यास करने के लिए हिंदू और रहस्यमय मुस्लिम विचारों को संश्लेषित करने की मांग की।

कादिरी सिलसिला

शाह नियामतुल्लाह कादरी शायद भारत में प्रवेश करने वाले इस क्रम के पहले उल्लेखनीय संत थे लेकिन यह सैयद मुहम्मद जिलानी थे जिन्होंने इसे भावात्मक आधार पर संगठित किया था। दारा शिकोह, शाहजहाँ का सबसे बड़ा पुत्र, इस आदेश का अनुयायी था।

नक्शबंदी सिलसिला

अकबर के शासनकाल के बाद के वर्षों के दौरान ख्वाजा बाकी बिल्लाह द्वारा इस सिलसिला को भारत में पेश किया गया था। इसने शेख अहमद सिरहिनीद के नेतृत्व में भारत में बहुत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया। वह सर्वेश्वरवादी दर्शन वहादत-उल-वुजुद के विरोधी थे और उन्होंने वहादत-उल-शुदूद के सिद्धांत को प्रतिपादित किया।

शेर शाह सूरी (1540-1545)

उनका जन्म क़ासपुर, सासाराम और हाजीपुर टांडा के जागीरदार हसन से फरीद के रूप में हुआ था। इब्राहिम लोदी ने अपने पिता की जागीर उसे सौंप दी। 1527-28 में, वह बाबर की

DEEPAK SHARMA SIR

aided **Mahmud Lodi at Ghagra**. In **1530,** he usurps throne as Hazarat-i-Ala. He gained Chunar by marryhing the widow **Lad Malika**. Humayun besieged Chunar again. **In 1539, he captured Chausa.** He assumed the title Sher **Shah as emperor. In 1540 he annexed kannauj and then Lahore.**

He died in 1545 while conquering Kalinjar.

VARIOUS DIWANS

Administration

He continued the central machinery of adminsitration which had developed during the **Sultanate period**. A number of villages comprised of **Pargana**, which was under the charge of **Shiqdar**, who looked after the law and order and general administration. **The Munsif or Amil looked after the collection of land revenue.** Above the Pargana was the **Shiq or Sarkar** under the charge of the Shiqdar-i-Shiqdaram. **A number of Sarkars** were grouped into a province.

Justice

Civil cases of pargana were heard by **Amin** and criminal cases by a **Qazi or Mir-i-Adal.** He introduced the principle of local responsbility for local crimes.

सेवा में शामिल हो गया और फिर उप-राज्यपाल और नाबालिग राजा जलाल खान लोहानी के संरक्षक के रूप में बिहार लौट आया। उसने घाघरा में महमूद लोदी की सहायता की। 1530 में, उसने हजरत-ए-आला के रूप में सिंहासन हड़प लिया। उसने विधवा लाड मलिका से विवाह करके चुनार प्राप्त किया। हुमायूँ ने फिर से चुनार को घेर लिया। 1539 में उसने चौसा पर अधिकार कर लिया। उसने शेरशाह की उपाधि सम्राट के रूप में ग्रहण की। 1540 में उसने कन्नौज और फिर लाहौर पर कब्जा कर लिया।

1545 में कालिंजर पर विजय प्राप्त करते हुए उसकी मृत्यु हो गई।

विभिन्न दीवान

प्रशासन

सल्तनत काल में विकसित केंद्रीय प्रशासन तंत्र को उसने जारी रखा। परगना में कई गांव शामिल थे, जो था

शिकदार के अधीन, जो कानून और व्यवस्था और सामान्य प्रशासन की देखभाल करता था। मुंसिफ या आमिल भू-राजस्व के संग्रह की देखभाल करते थे। परगना के ऊपर शिकदार-ए-शिकदारम के अधीन शिक या सरकार थी। कई सरकारों को एक प्रांत में बांटा गया था।

न्याय

परगना के सिविल मामलों की सुनवाई अमीन

DEEPAK SHARMA SIR

Muqqadams were punished for failure to find culprits.

Revenue System

Land was measured using the **Sikandari-gaz** (a unit of measure introduced by **Sikandar Lodi**) One third of the average was fixed as tax. The peasant was given a patta (title deed) and a **qabuliyat** (deed of agreement) which fixed the peasants rights and taxes. Zamindars were removed and the taxes were directly collected.

Currency

He introduced the silver rupaya, and copper daam.

Public Works

Purana Qila was built along with Grand Trunk Road from Sonargaon (Bengal) to **Attock** (NWFP). He also built **1700 sarais (rest houses) which also doubled as dak chaukis.**

और आपराधिक मामलों की सुनवाई काजी या मीर-ए-अदल द्वारा की जाती थी। उन्होंने स्थानीय अपराधों के लिए स्थानीय जिम्मेदारी का सिद्धांत पेश किया। अपराधियों को खोजने में विफल रहने के लिए मुकद्दमों को दंडित किया गया था।

राजस्व प्रणाली

सिकंदरी-गज (सिकंदर लोदी द्वारा शुरू की गई माप की एक इकाई) का उपयोग करके भूमि को मापा गया था, औसत का एक तिहाई कर के रूप में तय किया गया था। किसान को एक पट्टा (स्वामित्व विलेख) और एक क़बुलियत (समझौता का विलेख) दिया जाता था, जो किसानों के अधिकारों और करों को निर्धारित करता था। जमींदारों को हटा दिया गया और कर सीधे वसूल किए गए।

मुद्रा

उसने चांदी के रुपये और तांबे के दाम की शुरुआत की।

लोक निर्माण

पुराना किला सोनारगाँव (बंगाल) से अटॉक (NWFP) तक ग्रैंड ट्रंक रोड के साथ बनाया गया था। उन्होंने 1700 सराय (विश्राम गृह) भी बनवाए, जो डाक चौकी के रूप में भी दोगुने हो गए।

DEEPAK SAHRMA SIR